(ख) 'राम' शब्द के सभी विभक्तियों एवं वचनों में रूप लिखिये। 5

(ग) कर्मधारय अथवा अव्ययी भाव समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिये। 5

3. (क) निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये— 10

(i) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।

(ii) वह आँख से काना है।

(iii) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(iv) कालिदास संस्कृत साहित्य के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं।

(v) राष्ट्र का हित सर्वोपरि है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये— 10

(i) श्रीगणेशं नमः।

(ii) सः पादः खञ्जः अस्ति।

(iii) वृक्षम् पत्राणि पतन्ति।

(iv) सः पुस्तकं पठानि।

(v) ते पठिष्यति।

भाग—ख

4. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिये— 20

(i) अपरीक्ष्य न कर्तव्यं कर्तव्यं सुपरीक्षितम्।
पश्चाद् भवति सन्तापो ब्राह्मण्या नकुले यथा॥

(ii) अपि शास्त्रेषु कुशला लोकाचारविवर्जिताः।
सर्वे ते हास्यतां यान्ति, यथा ते मूर्खपण्डिताः॥

Roll No. 5110746

AU–121

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य/पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

पदार्थ विज्ञान एवं आयुर्वेद का इतिहास

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

1. आयु के लक्षण व पर्याय लिखिए। 2
2. सिद्धान्त की लक्षण व भेद लिखिए। 2
3. पदार्थ की संख्या व प्रकार बताइए। 2
4. दर्शन शब्द की निरुक्ति व भेद लिखिए। 2

5. 'ब्राह्मणी नकुल कथा' का सारांश लिखते हुए उससे प्राप्त शिक्षाओं का उल्लेख कीजिए। 10

6. निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये— 20

(i) हिताहितं सुखं दुःखमायुस्तस्य हिताहितम्।
मानं च तच्च यत्रोक्तमायुर्वेदः स उच्यते॥

(ii) विकारो धातुवैषम्यं साम्यं प्रकृतिरुच्यते।
सुखसंज्ञकमारोग्यं विकारो दुःखमेव च॥

5. निद्रा के भेद लिखिए।
6. आत्मा के गुणों का उल्लेख कीजिए।
7. धातु मलों के नाम लिखिए।
8. मन के विषय लिखिए।
9. स्वेद ग्रन्थियों के प्रकार लिखिए।
10. शुद्ध स्तन्य के लक्षण लिखिए।

भाग—ब

(अधिकतम 100 शब्दों में उत्तर दीजिए)

1. कामला (Jaundice) के भेदों (Types) पर प्रकाश डालिए। 5
2. ओज के स्थान, गुण एवं प्रकार का उल्लेख कीजिए। 5
3. शुक्र निर्माण (Spermatogenesis) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5
4. 'पुरीष' शब्द की व्युत्पत्ति लिखते हुए पुरीष के क्षय एवं वृद्धि के लक्षण लिखिए। 5

भाग—स

(अधिकतम 300 शब्दों में उत्तर दीजिए)

1. अवटु ग्रन्थि (Thyroid Gland) के कार्यों का वर्णन कीजिए। 15
2. आयुर्वेद मतानुसार मूत्र निर्माण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 15
3. रक्त धातु के निर्माण का वर्णन कीजिए। 15
4. इन्द्रिय पञ्चपञ्चक का उल्लेख करते हुए शब्दोत्पत्ति की क्रिया विधि (Physiology of speech) पर प्रकाश डालिए। 15

5. दिक् का भेद लिखिए। 2
6. विशेष का लक्षण व भेद लिखिए। 2
7. कर्म के लक्षण व भेद लिखिए। 2
8. सामान्य के भेद बताइए। 2
9. अभाव के प्रकार बताइए। 2
10. समवाय का लक्षण बताइए। 2

भाग—ब

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए।

1. आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्तों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। 5
2. दर्शन के प्रकार लिखते हुए, आस्तिक दर्शन के बारे में बताइए। 5
3. परादि गुणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5
4. "प्रवृत्तिरुभस्य तु" का संदर्भ व व्याख्या लिखिये। 5

भाग—स

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में लिखिए।

1. पदार्थ की निरुक्ति, संख्या, लक्षण, भेद लिखकर कारण पदार्थ की विवेचना कीजिए। 15
2. 'भूत' शब्द की निरुक्ति लिखते हुए, पंचमहाभूतों के लक्षण व गुणों का वर्णन कीजिए। 15
3. 'गुण' शब्द की व्युत्पत्ति, लक्षण, प्रकार व संख्या लिखते हुए, आध्यात्मिक गुणों का वर्णन कीजिए। 15
4. समवाय का लक्षण बताते हुए, आयुर्वेद में समवाय का प्रायोगिक व चिकित्सीय उपयोग बताइए। 15

ROLL NO. : 53

Date	Title	Page No.	Teacher's Sign / Remarks

Roll No. .....

AU–108(N)

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य (बैच-2014) / पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

संस्कृत

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—क

1. संस्कृत व्याकरण में वर्णित माहेश्वर सूत्रों की क्रमबद्ध व्याख्या कीजिए। 15

2. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये— 5

   (क) (i) अकः सवर्णे दीर्घः।

   (ii) इको यणचि।

(iv) अष्टविध आहार-विधि विशेषायतन

(v) षड्-धातुज पुरुष

(vi) मानस दोष

(vii) ऋतुओं के अनुसार वात का संचय, प्रकोप एवं शमन

(viii) Vitamin B and C

(ix) Tidal volume and vital capacity

(x) Structure of neuron and its function

(xi) त्रयोदश अग्नियाँ

(xii) Functions of sympathetic nervous system

खण्ड—ब

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 100 शब्द)। प्रत्येक 5

(i) Functions of liver

(ii) Fat soluble vitamins

(iii) Composition of Gastric juice and its functions

(iv) देह प्रकृति

(v) क्षीरदधि न्याय

खण्ड—स

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 300 शब्द)।

3. पित्त दोष की व्युत्पत्ति, सामान्य स्थान, गुण, कर्म व पित्त के भेदों का वर्णन कीजिए। 15

आहार पाक क्रिया का वर्णन करते हुए कार्बोहाइड्रेट के पाचन (Digestion of carbohydrate) का वर्णन कीजिए। 15

श्वास-प्रश्वास प्रक्रिया (Mechanism of Respiration) का वर्णन उभयमतानुसार कीजिए। 15

क्रियाकाल का विस्तृत वर्णन करते हुए क्रियाकाल के महत्व का वर्णन कीजिए। 15

Roll No. .....

AU–124

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य / पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

क्रिया शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी)

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

खण्ड—अ प्रत्येक 2

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द)।
   (i) त्रिगुण एवं त्रिदोष में संबंध
   (ii) दोषधातुमलमूलं हि शरीरम्
   (iii) वात के स्थान व गुण

P. T. O.

Roll No. 5110748

AU–125

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक
मुख्य/पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

क्रिया शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी)

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णांक : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णांक : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ प्रत्येक 2

(अधिकतम 30 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

1. वसा (Fat) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।
2. रक्त धातु के क्षय एवं वृद्धि के लक्षण लिखिए।
3. R. F. T. पर प्रकाश डालिए।
4. पोंस (Pons) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

3. पदार्थ विज्ञान में वर्णित "सृष्टिविकास क्रम" का विभिन्न मतानुसार विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. वृहत्त्रेयी के ग्रन्थों का उल्लेख करते हुए, अष्टाङ्ग हृदय के रचनाकार एवं इसके अध्याय विवरण तथा विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

5. निद्रा के भेद लिखिए।
6. आत्मा के गुणों का उल्लेख कीजिए।
7. धातु मलों के नाम लिखिए।
8. मन के विषय लिखिए।
9. स्वेद ग्रन्थियों के प्रकार लिखिए।
10. शुद्ध स्तन्य के लक्षण लिखिए।

भाग—ब

(अधिकतम 100 शब्दों में उत्तर दीजिए)

1. कामला (Jaundice) के भेदों (Types) पर प्रकाश डालिए। 5
2. ओज के स्थान, गुण एवं प्रकार का उल्लेख कीजिए। 5
3. शुक्र निर्माण (Spermatogenesis) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5
4. 'पुरीष' शब्द की व्युत्पत्ति लिखते हुए पुरीष के क्षय एवं वृद्धि के लक्षण लिखिए। 5

भाग—स

(अधिकतम 300 शब्दों में उत्तर दीजिए)

1. अवटु ग्रन्थि (Thyroid Gland) के कार्यों का वर्णन कीजिए। 15
2. आयुर्वेद मतानुसार मूत्र निर्माण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 15
3. रक्त धातु के निर्माण का वर्णन कीजिए। 15
4. इन्द्रिय पञ्चपञ्चक का उल्लेख करते हुए शब्दोत्पत्ति की क्रिया विधि (Physiology of speech) पर प्रकाश डालिए। 15

Roll No. 5110748

AU–125

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक
मुख्य / पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

क्रिया शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी)

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ प्रत्येक 2

(अधिकतम 30 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

1. वसा (Fat) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।
2. रक्त धातु के क्षय एवं वृद्धि के लक्षण लिखिए।
3. R. F. T. पर प्रकाश डालिए।
4. पाँस (Pons) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

5. पंचावयव किसे कहते हैं ?
6. आचार्य चरक के अनुसार शब्द के कितने भेद हैं ?
7. "बुद्धि पश्यति या भावान् बहुकारण योगजान" किस प्रमाण के लिए कहा गया है ?
8. सत्कार्यवांद किस दर्शन की देन है ?
9. आचार्य सुश्रुत के अनुसार सृष्टि विकास में कितने तत्व भाग लेते हैं ?
10. षड् धातुज पुरुष किसे कहते हैं ?

भाग—ब

प्रत्येक 5

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में दीजिए।

1. उपमान प्रमाण की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए।
2. पंचपंचक का सिद्धान्त बताइये।
3. स्वभावोपरमवाद का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
4. आचार्य चरक के मतानुसार आयुर्वेद उत्पत्तिक्रम का वर्णन कीजिए।

भाग—स

प्रत्येक 15

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में दीजिए।

1. प्रत्यक्ष प्रमाण की निरुक्ति व परिभाषा देते हुए इसकी आयुर्वेद में उपयोगिता एवं बाधक कारणों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. विभिन्न दर्शनानुसार प्रमाणों की संख्या बताते हुए, यह स्पष्ट कीजिए कि आयुर्वेद में किन-किन दर्शनों का उपयोग किया गया है ?

(ख) 'राम' शब्द के सभी विभक्तियों एवं वचनों में रूप लिखिये। 5

(ग) कर्मधारय अथवा अव्ययी भाव समास की सोदाहरण परिभाषा लिखिये। 5

3. (क) निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये— 10

(i) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।

(ii) वह आँख से काना है।

(iii) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(iv) कालिदास संस्कृत साहित्य के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं।

(v) राष्ट्र का हित सर्वोपरि है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये— 10

(i) श्रीगणेशं नमः।

(ii) सः पादः खञ्जः अस्ति।

(iii) वृक्षम् पत्राणि पतन्ति।

(iv) सः पुस्तकं पठानि।

(v) ते पठिष्यति।

भाग—ख

4. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिये— 20

(i) अपरीक्ष्य न कर्तव्यं कर्तव्यं सुपरीक्षितम्।
पश्चाद् भवति सन्तापो ब्राह्मण्या नकुले यथा॥

(ii) अपि शास्त्रेषु कुशला लोकाचारविवर्जिताः।
सर्वे ते हास्यतां यान्ति, यथा ते मूर्खपण्डिताः॥

5. निद्रा के भेद लिखिए।
6. आत्मा के गुणों का उल्लेख कीजिए।
7. धातु मलों के नाम लिखिए।
8. मन के विषय लिखिए।
9. स्वेद ग्रन्थियों के प्रकार लिखिए।
10. शुद्ध स्तन्य के लक्षण लिखिए।

भाग—ब

(अधिकतम 100 शब्दों में उत्तर दीजिए)

1. कामला (Jaundice) के भेदों (Types) पर प्रकाश डालिए। 5
2. ओज के स्थान, गुण एवं प्रकार का उल्लेख कीजिए। 5
3. शुक्र निर्माण (Spermatogenesis) का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5
4. 'पुरीष' शब्द की व्युत्पत्ति लिखते हुए पुरीष के क्षय एवं वृद्धि के लक्षण लिखिए। 5

भाग—स

(अधिकतम 300 शब्दों में उत्तर दीजिए)

1. अवटु ग्रन्थि (Thyroid Gland) के कार्यों का वर्णन कीजिए। 15
2. आयुर्वेद मतानुसार मूत्र निर्माण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 15
3. रक्त धातु के निर्माण का वर्णन कीजिए। 15
4. इन्द्रिय पञ्चपञ्चक का उल्लेख करते हुए शब्दोत्पत्ति की क्रिया विधि (Physiology of speech) पर प्रकाश डालिए। 15

(iv) अष्टविध आहार-विधि विशेषायतन

(v) षड्-धातुज पुरुष

(vi) मानस दोष

(vii) ऋतुओं के अनुसार वात का संचय, प्रकोप एवं शमन

(viii) Vitamin B and C

(ix) Tidal volume and vital capacity

(x) Structure of neuron and its function

(xi) त्रयोदश अग्नियाँ

(xii) Functions of sympathetic nervous system

खण्ड—ब

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 100 शब्द)। प्रत्येक 5

(i) Functions of liver

(ii) Fat soluble vitamins

(iii) Composition of Gastric juice and its functions

(iv) देह प्रकृति

(v) क्षीरदधि न्याय

खण्ड—स

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 300 शब्द)।

3. पित्त दोष की व्युत्पत्ति, सामान्य स्थान, गुण, कर्म व पित्त के भेदों का वर्णन कीजिए। 15

5. दिक् का भेद लिखिए। 2
6. विशेष का लक्षण व भेद लिखिए। 2
7. कर्म के लक्षण व भेद लिखिए। 2
8. सामान्य के भेद बताइए। 2
9. अभाव के प्रकार बताइए। 2
10. समवाय का लक्षण बताइए। 2

भाग—ब

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में लिखिए।

1. आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्तों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। 5
2. दर्शन के प्रकार लिखते हुए, आस्तिक दर्शन के बारे में बताइए। 5
3. परादि गुणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5
4. "प्रवृत्तिरुभस्य तु" का संदर्भ व व्याख्या लिखिये। 5

भाग—स

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में लिखिए।

1. पदार्थ की निरुक्ति, संख्या, लक्षण, भेद लिखकर कारण पदार्थ की विवेचना कीजिए। 15
2. 'भूत' शब्द की निरुक्ति लिखते हुए, पंचमहाभूतों के लक्षण व गुणों का वर्णन कीजिए। 15
3. 'गुण' शब्द की व्युत्पत्ति, लक्षण, प्रकार व संख्या लिखते हुए, आध्यात्मिक गुणों का वर्णन कीजिए। 15
4. समवाय का लक्षण बताते हुए, आयुर्वेद में समवाय का प्रायोगिक व चिकित्सीय उपयोग बताइए। 15

Roll No. 3170748

AU–122

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य/पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

पदार्थ विज्ञान एवं आयुर्वेद का इतिहास

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ प्रत्येक 2

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए।

1. 'प्रमाण' शब्द के पर्याय बताइये।
2. स्मृति के कितने कारण होते हैं, नाम लिखिए।
3. आचार्य चरक ने कितने प्रमाण माने हैं ?
4. एकादश इंद्रियों का नामोल्लेख कीजिए।

Roll No. 5110746

AU–121

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य/पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

पदार्थ विज्ञान एवं आयुर्वेद का इतिहास

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

1. आयु के लक्षण व पर्याय लिखिए। 2
2. सिद्धान्त की लक्षण व भेद लिखिए। 2
3. पदार्थ की संख्या व प्रकार बताइए। 2
4. दर्शन शब्द की निरुक्ति व भेद लिखिए। 2

5. 'ब्राह्मणी नकुल कथा' का सारांश लिखते हुए उससे प्राप्त शिक्षाओं का उल्लेख कीजिए। 10

6. निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिये— 20

(i) हिताहितं सुखं दुःखमायुस्तस्य हिताहितम्।
मानं च तच्च यत्रोक्तमायुर्वेदः स उच्यते॥

(ii) विकारो धातुवैषम्यं साम्यं प्रकृतिरुच्यते।
सुखसंज्ञकमारोग्यं विकारो दुःखमेव च॥

Roll No. .....

AU–124

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य / पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

क्रिया शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी)

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

खण्ड—अ प्रत्येक 2

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द)।
   (i) त्रिगुण एवं त्रिदोष में संबंध
   (ii) दोषधातुमलमूलं हि शरीरम्
   (iii) वात के स्थान व गुण

P. T. O.

ROLL NO. : 53

Date	Title	Page No.	Teacher's Sign / Remarks

Roll No. .....

AU–108(N)

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य (बैच-2014) / पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

संस्कृत

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—क

1. संस्कृत व्याकरण में वर्णित माहेश्वर सूत्रों की क्रमबद्ध व्याख्या कीजिए। 15

2. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये— 5

   (क) (i) अकः सवर्णे दीर्घः।

   (ii) इको यणचि।

3. पदार्थ विज्ञान में वर्णित "सृष्टिविकास क्रम" का विभिन्न मतानुसार विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. वृहत्त्रेयी के ग्रन्थों का उल्लेख करते हुए, अष्टाङ्ग हृदय के रचनाकार एवं इसके अध्याय विवरण तथा विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

आहार पाक क्रिया का वर्णन करते हुए कार्बोहाइड्रेट के पाचन (Digestion of carbohydrate) का वर्णन कीजिए। 15

श्वास-प्रश्वास प्रक्रिया (Mechanism of Respiration) का वर्णन उभयमतानुसार कीजिए। 15

क्रियाकाल का विस्तृत वर्णन करते हुए क्रियाकाल के महत्व का वर्णन कीजिए। 15

(iv) अष्टविध आहार-विधि विशेषायतन

(v) षड्-धातुज पुरुष

(vi) मानस दोष

(vii) ऋतुओं के अनुसार वात का संचय, प्रकोप एवं शमन

(viii) Vitamin B and C

(ix) Tidal volume and vital capacity

(x) Structure of neuron and its function

(xi) त्रयोदश अग्नियाँ

(xii) Functions of sympathetic nervous system

खण्ड—ब

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 100 शब्द)। प्रत्येक 5

(i) Functions of liver

(ii) Fat soluble vitamins

(iii) Composition of Gastric juice and its functions

(iv) देह प्रकृति

(v) क्षीरदधि न्याय

खण्ड—स

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 300 शब्द)।

3. पित्त दोष की व्युत्पत्ति, सामान्य स्थान, गुण, कर्म व पित्त के भेदों का वर्णन कीजिए। 15

Roll No. 5110748

AU–125

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक
मुख्य / पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

क्रिया शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी)

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ प्रत्येक 2

(अधिकतम 30 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

1. वसा (Fat) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।
2. रक्त धातु के क्षय एवं वृद्धि के लक्षण लिखिए।
3. R. F. T. पर प्रकाश डालिए।
4. पाँस (Pons) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

Roll No. 5110748

AU–125

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य/पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

क्रिया शरीर विज्ञान (फिजियोलॉजी)

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ

प्रत्येक 2

(अधिकतम 30 शब्दों मे उत्तर दीजिए।)

1. वसा (Fat) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।
2. रक्त धातु के क्षय एवं वृद्धि के लक्षण लिखिए।
3. R. F. T. पर प्रकाश डालिए।
4. पौंस (Pons) के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

(iv) अष्टविध आहार-विधि विशेषायतन

(v) षड्-धातुज पुरुष

(vi) मानस दोष

(vii) ऋतुओं के अनुसार वात का संचय, प्रकोप एवं शमन

(viii) Vitamin B and C

(ix) Tidal volume and vital capacity

(x) Structure of neuron and its function

(xi) त्रयोदश अग्नियाँ

(xii) Functions of sympathetic nervous system

खण्ड—ब

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 100 शब्द)। प्रत्येक 5

(i) Functions of liver

(ii) Fat soluble vitamins

(iii) Composition of Gastric juice and its functions

(iv) देह प्रकृति

(v) क्षीरदधि न्याय

खण्ड—स

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 300 शब्द)।

3. पित्त दोष की व्युत्पत्ति, सामान्य स्थान, गुण, कर्म व पित्त के भेदों का वर्णन कीजिए। 15

5. पंचावयव किसे कहते हैं ?
6. आचार्य चरक के अनुसार शब्द के कितने भेद हैं ?
7. "बुद्धि पश्यति या भावान् बहुकारण योगजान" किस प्रमाण के लिए कहा गया है ?
8. सत्कार्यवांद किस दर्शन की देन है ?
9. आचार्य सुश्रुत के अनुसार सृष्टि विकास में कितने तत्व भाग लेते हैं ?
10. षड् धातुज पुरुष किसे कहते हैं ?

भाग—ब

प्रत्येक 5

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में दीजिए।

1. उपमान प्रमाण की परिभाषा एवं उदाहरण दीजिए।
2. पंचपंचक का सिद्धान्त बताइये।
3. स्वभावोपरमवाद का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
4. आचार्य चरक के मतानुसार आयुर्वेद उत्पत्तिक्रम का वर्णन कीजिए।

भाग—स

प्रत्येक 15

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 300 शब्दों में दीजिए।

1. प्रत्यक्ष प्रमाण की निरुक्ति व परिभाषा देते हुए इसकी आयुर्वेद में उपयोगिता एवं बाधक कारणों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. विभिन्न दर्शनानुसार प्रमाणों की संख्या बताते हुए, यह स्पष्ट कीजिए कि आयुर्वेद में किन-किन दर्शनों का उपयोग किया गया है ?

Roll No. 3170748

AU–122

आयुर्वेदाचार्य (बी. ए. एम. एस.) प्रथम व्यावसायिक मुख्य/पूरक परीक्षा, 2015

(New Course)

पदार्थ विज्ञान एवं आयुर्वेद का इतिहास

द्वितीय प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे] [पूर्णाङ्क : 100

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क : 50

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निर्देश : अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

भाग—अ प्रत्येक 2

नोट : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए।

1. 'प्रमाण' शब्द के पर्याय बताइये।
2. स्मृति के कितने कारण होते हैं, नाम लिखिए।
3. आचार्य चरक ने कितने प्रमाण माने हैं ?
4. एकादश इंद्रियों का नामोल्लेख कीजिए।

U-223

B. A. M. S. (First Professional) Examination, Nov.-Dec. 2012

रचना शरीर विज्ञान

Paper : Second

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. कोष की परिभाषा लिखते हुए आमाशय शय्या एवं आमाशय की रक्त आपूर्ति का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. त्वचा की आयुर्वेद मतानुसार रचना एवं भेद बताते हुए त्वचा के कार्यों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

Printed Pages– 2

O-202

B. A. M. S. (First Professional) Examination,
Aug.-Sept. 2013

रचना शरीर विज्ञान

Paper : First

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 100

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. शुद्ध शुक्र के लक्षण लिखते हुए गर्भ का मासानुमासिक वृद्धिक्रम लिखिए।

2. धातु भेद से पुरुष का संगठन लिखते हुए चतुर्विंशति तत्वात्मक पुरुष का वर्णन कीजिए।

PTO

(iii) Symptoms of Oja Kshaya

(iv) Soul

3. निम्नलिखित को संक्षेप में समझाइये— 20

(i) आहारमल एवं उनके कर्म

(ii) आश्रय-आश्रयी भाव

(iii) निद्रा

(iv) पेशी

Explain the following in short :

(i) Aahar Mala and thier functions

(ii) Ashrya-Ashryee Bhav

(iii) Sleep

(iv) Concept of Peshi

4. हीमोपोइटिक पद्धति का निम्न बिन्दुओं पर वर्णन कीजिए— 20

(i) रक्त का संगठन

(ii) रक्त के कार्य

(iii) रक्त स्कंदन प्रक्रिया

(iv) अस्थि मज्जा

PTO